॥ श्री राम रक्षा स्तोत्र ॥

संशोधित - श्री पीताम्बरा सिद्धपीठाचार्य "स्वामी रूपेश्वरानंद जी महाराज" द्वारा

-: विनियोग :-

श्रीरामरक्षास्तोत्रमन्त्रस्य बुधकौशिक ऋषिः । अनुष्टुप छंदः
श्री सीतारामचंद्रो देवता । सीता शक्ति : । श्रीमान् हनुमान कीलकम ।
श्री सीतारामचंद्र देवता प्रीत्यर्थे
मम सपरिवारस्य रक्षणार्थे च "वज्रपंजर" नामक
"श्रीरामरक्षाकवच" स्तोत्र पाठे विनियोगः ।।

-: ध्यानम् :-

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपद्मासनस्थं
पीतं वासो वसानं नवकमलदलस्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम् ।
वामांकारूढसीतामुखकमलमिलल्लोचनं नीरदाभं
नानालंकार दीप्तं दधतमुरूजटामंडलं रामचंद्रम ।।

स्तोत्र पाठ आरम्भ

(नीचे लाल अक्षर में लिखा हुआ है, इतना की कवच पाठ है)

शिरो मे राघवः पातु भालं दशरथात्मजः। कौसल्येयो दृशौ पातु विश्वामित्रप्रियः श्रुती।
घ्राणं पातु मखत्राता मुखं सौमित्रिवत्सलः। जिह्वां विद्यानिधिः पातु कण्ठं भरतवंदितः।
स्कंधौ दिव्यायुधः पातु भुजौ भग्नेशकार्मुकः। करौ सीतापतिः पातु हृदयं जामदग्न्यजित्।
मध्यं पातु खरध्वंसी नाभिं जाम्बवदाश्रयः। सुग्रीवेशः कटी पातु सक्थिनी हनुमत्प्रभुः।
उरू रघुत्तमः पातु रक्षः कुलविनाशकृत्। जानुनी सेतुकृत्पातु जंघे दशमुखान्तकः।
पादौ विभीषणश्रीदः पातु रामोऽखिलं वपुः।

- सिध्द मुहूर्त में 1100 पाठ कर सिध्द करें ! सिध्द करने पर प्रतिदिन 3 समय पाठ करें !
- विशेष परिस्थिति में 11 पाठ से जल अभिमंत्रित कर अपने चारों ओर या रोगी पर छिड़कें!
- सावधानी - आहार विहार, आचार विचार सात्विक रखें !

मार्गदर्शन एवं पावन सान्निध्य
जगद्गुरू श्री पीताम्बरा सिद्धपीठाचार्य
श्री श्री 1008 श्रद्धेय स्वामी रूपेश्वरानन्द जी महाराज
स्वामी रूपेश्वरानन्द आश्रम वाराणसी (उत्तरप्रदेश)

Swami Rupeshwaranand

UPI ID: swamiji1997-3@okaxis

www.swamirupeshwaranand.in | swamirupeshwaranand | 76072 33230